दिल्ली के सुल्तान

परिचय

दिल्ली सल्तनत भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण काल था। इसका शासन **1206 ई. से 1526 ई.** तक चला। इस दौरान पाँच अलग-अलग वंशों ने शासन किया। दिल्ली के सुल्तानों ने अपने राज्य का विस्तार किया, प्रशासन को संगठित बनाया, व्यापार को बढ़ावा दिया तथा कला और स्थापत्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दिल्ली सल्तनत की स्थापना

सल्तनत का प्रारंभ

1206 ई. में **कुतुबुद्दीन ऐबक** ने दिल्ली सल्तनत की स्थापना की। वह **ममलूक (गुलाम) वंश** का संस्थापक था और मुहम्मद गौरी की मृत्यु के बाद स्वतंत्र शासक बना।

दिल्ली सल्तनत ने लगभग **320 वर्षों** तक उत्तरी और मध्य भारत के बड़े भाग पर शासन किया।

दिल्ली सल्तनत के पाँच वंश

प्रमुख राजवंश

दिल्ली सल्तनत पर निम्नलिखित पाँच वंशों ने शासन किया—

- **ममलूक (गुलाम) वंश** (1206–1290 ई.)
- **खिलजी वंश** (1290–1320 ई.)
- **तुगलक वंश** (1320–1414 ई.)
- **सैयद वंश** (1414–1451 ई.)
- **लोदी वंश** (1451–1526 ई.)

इन सभी वंशों ने प्रशासन और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रशासन व्यवस्था

शासन प्रणाली

सल्तनत का सर्वोच्च शासक **सुल्तान** होता था। उसकी सहायता के लिए मंत्री और अधिकारी नियुक्त किए जाते थे।

प्रशासन की प्रमुख विशेषताएँ—

- राज्य को **इक़्ता (Iqta)** नामक प्रांतों में बाँटा गया था।
- प्रांतों में सूबेदार और सैन्य अधिकारी नियुक्त किए जाते थे।
- भूमि कर की व्यवस्था की गई।
- एक शक्तिशाली सेना का गठन किया गया।

प्रमुख शासक

महत्वपूर्ण सुल्तान

- **कुतुबुद्दीन ऐबक** – दिल्ली सल्तनत का संस्थापक।
- **इल्तुतमिश** – सल्तनत को मजबूत बनाया तथा **टंका** और **जीटल** सिक्के जारी किए।
- **रज़िया सुल्तान** – दिल्ली की पहली और एकमात्र महिला शासक।
- **अलाउद्दीन खिलजी** – साम्राज्य का विस्तार किया तथा बाजार नियंत्रण नीति लागू की।
- **मुहम्मद बिन तुगलक** – अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए प्रसिद्ध।
- **फिरोज शाह तुगलक** – नहरों, बागों और सार्वजनिक भवनों का निर्माण कराया।
- **सिकंदर लोदी** – कृषि और प्रशासन को प्रोत्साहन दिया।

अर्थव्यवस्था एवं समाज

व्यापार और कृषि

उस समय कृषि लोगों का मुख्य व्यवसाय था।

अन्य प्रमुख गतिविधियाँ—

- देश-विदेश के साथ व्यापार।
- नगरों और बाजारों का विकास।
- हस्तशिल्प और वस्त्र उद्योग की उन्नति।
- भूमि कर से राज्य की आय।

कला एवं स्थापत्य

स्थापत्य की उपलब्धियाँ

दिल्ली के सुल्तानों ने अनेक भव्य इमारतों का निर्माण कराया।

प्रमुख स्मारक—

- **कुतुब मीनार**
- **अलाई दरवाज़ा**
- **तुगलकाबाद किला**
- **लोदी उद्यान के मकबरे**

इन स्मारकों में भारतीय और इस्लामी स्थापत्य शैली का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

दिल्ली सल्तनत का पतन

सल्तनत का अंत

दिल्ली सल्तनत के पतन के प्रमुख कारण थे—

- कमजोर शासक।
- आंतरिक विद्रोह।
- राजनीतिक संघर्ष।
- विदेशी आक्रमण।

1526 ई. में **पानीपत के प्रथम युद्ध** में **इब्राहिम लोदी** को **बाबर** ने पराजित किया। इसके साथ ही दिल्ली सल्तनत का अंत हुआ और **मुगल साम्राज्य** की स्थापना हुई।

मुख्य बिंदु

- दिल्ली सल्तनत का शासन **1206–1526 ई.** तक रहा।
- इस पर पाँच वंशों ने शासन किया।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने इसकी स्थापना की।
- रज़िया सुल्तान पहली महिला शासक थीं।

- अलाउद्दीन खिलजी ने महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार किए।
- सल्तनत काल में प्रशासन, व्यापार और स्थापत्य कला का विकास हुआ।
- 1526 ई. में बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर मुगल साम्राज्य की स्थापना की।

अध्याय सारांश

दिल्ली सल्तनत भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण काल था, जिसने लगभग तीन शताब्दियों तक भारत के बड़े भाग पर शासन किया। इस दौरान पाँच वंशों ने प्रशासन, व्यापार, कृषि तथा स्थापत्य कला के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, रज़िया सुल्तान, अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद बिन तुगलक जैसे शासकों ने इतिहास में विशेष स्थान बनाया। **1526 ई.** में पानीपत के प्रथम युद्ध के बाद दिल्ली सल्तनत का अंत हुआ और मुगल शासन की शुरुआत हुई।